भाग-3	उत्तर प्रदेश राज्य से संबंधित सामान्य जानकारी	20	20	
योग		**100**	**100**	

नोट- उपर्युक्त परीक्षा हेतु प्रत्येक गलत उत्तर के लिए ऋणात्मक अंकन (निगेटिव मार्किंग) का प्रावधान है, जो उस प्रश्न हेतु निर्धारित अंक का 25 प्रतिशत अर्थात ¼ होगी।

पाठ्यक्रम

भाग-1

(विषयगत ज्ञान)

(1) पशुओं और पोल्ट्री की शारीरिक संरचना:

कंकाल तंत्र, मुख्य हड्डियों और जोड़ों का अध्ययन; पाचन, श्वसन और रक्त-संचार प्रणालियों की संरचना; मूत्र-जनन तंत्र, तंत्रिका तंत्र, ज्ञानेंद्रियों और सतही लिम्फ नोड्स की स्थिति।

(2) पशुपालन प्रबंधन का परिचय:

गाय, भैंस, भेड़, बकरी, घोड़े, ऊंट और सूअर के प्रबंधन के लिए बुनियादी शब्दावली; पशु आवास के डिज़ाइन और दैनिक दिनचर्या का प्रबंधन जैसे ग्रूमिंग, नहलाना, डिपिंग और ऊन कतरना; गर्भवती पशुओं की देखभाल, नवजात बछड़ों का पालन-पोषण, और सींग हटाना या बधियाकरण जैसी विधियां।

(3) पशुओं की नस्लों और आर्थिक गुणों का परिचय:

लोकप्रिय देशी, विदेशी और संकर (crossbred) पशु नस्लों की पहचान; प्रजनन की बुनियादी प्रणालियाँ (इन-ब्रीडिंग बनाम क्रॉस-ब्रीडिंग); पशु फार्म के ज़रूरी रिकॉर्ड रखना और फार्म का अर्थशास्त्र।

(4) पशु पोषण और स्वास्थ्य की बुनियादी बातें:

पशुओं के चारे और संतुलित आहार (ration) के प्रकार; पोषण संबंधी कमियां और फार्म के पशुओं में खराब स्वास्थ्य के शुरुआती लक्षण।

(5) पशु शरीर-क्रिया विज्ञान (Physiology) की बुनियादी बातें:

पशुओं और पोल्ट्री के विभिन्न अंगों के शारीरिक कार्यों की बुनियादी जानकारी।

(6) क्लीनिकल पैथोलॉजी की बुनियादी बातें:

सामान्य प्रयोगशाला उपकरणों और स्टरलाइज़ेशन (कीटाणु-शोधन) प्रक्रियाओं का परिचय; नियमित नमूना प्रसंस्करण जिसमें रक्त, मूत्र और मल का विश्लेषण शामिल है।

(7) बुनियादी पैरासिटोलॉजी (परजीवी विज्ञान):

सामान्य आंतरिक परजीवियों (कीड़े, फ्लूक) और बाहरी परजीवियों (टिक, माइट्स, जूँ) की पहचान; परजीवियों का जीवन चक्र और कीड़े खत्म करने (deworming) का सामान्य शेड्यूल।

(8) फार्माकोलॉजी (औषधि विज्ञान) के मूल सिद्धांत:

पशु चिकित्सा दवाओं और उनके स्रोतों का बुनियादी वर्गीकरण; दवा देने के तरीके (मुंह से, इंजेक्शन, मलहम); दवा की खुराक की गणना, साइड इफेक्ट और भंडारण के नियमों की बुनियादी अवधारणाएं।

(9) **क्लीनिकल बायोकैमिस्ट्री, गायनेकोलॉजी का परिचय:**

ब्लड सीरम पैरामीटर्स को समझना; पशु प्रजनन और गर्भावस्था की जांच में सहायता की बुनियादी जानकारी।

(10) **क्लीनिकल पशु चिकित्सा की बुनियादी बातें:**

अलग-अलग तरह के पशुओं और मुर्गियों की बीमारियों की बुनियादी जानकारी; शारीरिक जांच और शारीरिक लक्षणों के आधार पर उनकी पहचान और जांच के तरीके; बीमारियों से बचाव और उन्हें नियंत्रित करने के सामान्य सिद्धांत।

(11) **वेटरनरी क्लीनिकल फ़ार्मेसी:**

कंपाउंडिंग तकनीकें: मिश्रण, लोशन, मरहम, पाउडर और टिंचर तैयार करना; डिस्पेंसिंग साइंस: लेबल लगाना, प्रिस्क्रिप्शन को सही ढंग से पढ़ना और दवाएं पैक करना; इन्वेंट्री कंट्रोल: वैक्सीन के लिए कोल्ड-चेन मैनेजमेंट, एक्सपायरी डेट को ट्रैक करना और नशीली दवाओं के रजिस्टर रखना।

(12) **शुरुआती सर्जिकल प्रक्रियाएं:**

सर्जिकल उपकरणों का परिचय, स्टरलाइज़ेशन और ऑटोक्लेव ऑपरेशन; सर्जरी के लिए जानवर को तैयार करना (शेविंग, एंटीसेप्टिक सफाई); घाव की ड्रेसिंग, पट्टी बांधना, सर्जरी के बाद जानवर की निगरानी और टांकों की देखभाल।

(13) **फ़ार्मासिस्ट ज्यूरिस्प्रूडेंस (कानूनी नियम):**

भारत में जानवरों की दवाओं की बिक्री, स्टोरेज और वितरण से जुड़े कानून; वेटरनरी फ़ार्मेसी प्रैक्टिशनर के लिए आचार-संहिता (एथिक्स)।

(14) **फार्म प्रबंधन और विस्तार:**

डेयरी या पोल्ट्री फ़ार्म में रोज़ाना साफ़-सफ़ाई और बायो-सिक्योरिटी बनाए रखना; किसानों को स्वास्थ्य से जुड़ी बुनियादी बातें बताना और जानवरों के स्वास्थ्य कैंप आयोजित करने में मदद करना।

(15) **हॉस्पिटल प्रैक्टिस ट्रेनिंग:**

वेटरनरी पॉलीक्लिनिक सेटअप में पूरी तरह से प्रैक्टिकल ट्रेनिंग। इमर्जेंसी मामलों को संभालना, शारीरिक जांच के दौरान पशु चिकित्सकों की मदद करना और फ़ार्मेसी में आने वाले स्टॉक को मैनेज करना।

भाग-2

(कम्प्यूटर एवं सूचना प्रौद्योगिकी की अवधारणाओं एवं इस क्षेत्र में समसामयिक प्रौद्योगिकी विकास एवं नवाचार का ज्ञान)

- कम्प्यूटर, सूचना तकनीकी ,इन्टरनेट एवं वर्ल्ड वाइड वेब (WWW) का इतिहास, परिचय एवं अनुप्रयोग।
- निम्नलिखित बिन्दुओं सम्बन्धी सामान्य ज्ञान-
  - ✓ हार्डवेयर एवं साफ्टवेयर।
  - ✓ इनपुट एवं आउटपुट।
  - ✓ इन्टरनेट प्रोटोकॉल/आई0पी0 एड्रेस।
  - ✓ आई0टी0 गैजेट एवं उनका अनुप्रयोग।
  - ✓ ई-मेल आई0डी0 को बनाना एवं ई-मेल का प्रयोग/संचालन।